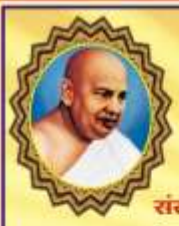

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.

प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डॉगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 8 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 जुलाई 2018 * पृष्ठ : 8 * मूल्य 5/- रुपये

तीर्थप्रेरक आचार्यश्री का भव्यातिभव्य प्रवेश

देश भर से हजारों गुरुभक्तों का भाण्डवपुर में आगमन

आदर्श उच्च मा. विद्यालय एवं चिकित्सालय का खनन मुहूर्त्त

प्रवेश द्वार पर गजराज द्वारा आचार्यदेवश का स्वागत

श्रीमति अणरीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल
पादरू, जिला-बाड़मेर (राज.)

मंगलाचरण करते हुए भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक

आचार्यश्री के साथ म. प्र. ऊर्जामंत्री श्री पारस जैन

भाण्डवपुर,

गुजरात, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान सहित अनेक प्रान्तों की स्पर्शना करते हुए विभिन्न नगरों में जिनशासन के कार्यों को वर्तमान गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. के साथ सम्पादित करते हुए प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं योगीराज, कृपासिन्धु गुरुदेव, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न प्रवचनकार, सूरिमन्त्राराधक, संघशिल्पी, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा., मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा., मुनिराजश्री आनन्द-विजयजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का मंगलमय वर्षावास का भव्यातिभव्य प्रवेश श्री भाण्डवपुर तीर्थ में हाथी-घोड़े, बैण्ड-बाजे एवं ढोल की मधुर स्वरलहरियों के साथ नृत्य करते हुए देश के अनेक नगरों से पधारे हजारों गुरुभक्तों के संग भव्य शोभायात्रा के साथ दिनांक 18 जुलाई 2018 को हुआ।

चन्द्रलोक जैन तीर्थ, मेंगलवा से प्रारम्भ यह शोभायात्रा जिसमें हाथी, घोड़े, बग्गियों में तीर्थाधिपति श्री महावीरप्रभु, दादागुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरिजी म. सा., योगिराज संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी एवं पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के चित्र लिए श्रावक-श्राविका थीं, सुमधुर स्वरलहरियाँ बिखरते हुए बैण्ड की तान सभी का मन मोह रही थी वहीं पारम्परिक वेशभूषा में सजी-धजी बालिकाएँ सिर पर कलश लिए सबसे आगे चल रही थीं। परम्परागत गैर नृत्य तथा ढोल की थाप पर नाचते-गाते युवा एवं बैण्ड आदि शोभायात्रा में मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे। गुरुदेव के जयकारों से सारे परिसर को गुँजायमान करते हजारों गुरुभक्तों के साथ जब भाण्डवपुर तीर्थ के प्रवेश द्वार पर पहुँची तो श्राविकाओं ने सिर पर कलश धारण कर गहुँली कर गुरु भगवन्तों को बधाते हुए स्वागत किया।

तीर्थ परिसर में प्रवेश के पश्चात् आचार्यदेवेशश्री आदि ठाणा-5 व श्रमणीवृन्द ने तीर्थपति प्रभु महावीरस्वामीजी, दादागुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरिजी, श्री शान्तिगुरु समाधि मन्दिर एवं पुण्य-सम्राट के समाधि स्थल पर दर्शन-वन्दन किए। चातुर्मास का सम्पूर्ण लाभ श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल परिवार निवासी- पादरू, जिला- बाड़मेर (राज.) ने लिया है और लाभार्थी परिवार की ओर से सुन्दर व्यवस्था की गई है। सम्पूर्ण तीर्थ परिसर में रंग-बिरंगी रोशनी एवं फूलों से चित्ताकर्षक सजावट की गई है। तीर्थ परिसर में जगह-जगह पाण्डाल व मुख्य प्रवेश द्वार निर्मित किया गया।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

श्री भाण्डवपुर वीर चालीसा सी.डी. का लोकार्पण करते छत्रिय वोरा परिवार (मिलियन ग्रुप) सुराणा

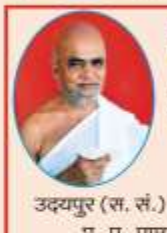

गच्छाधिपतिश्री का उज्जैन में मंगलमय चातुर्मासिक प्रवेश

देश भर से गुरुभक्तों का आगमन

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का दिनांक 21 जुलाई 2018 को धर्मनगरी उज्जैन में प्रथम बार ऐतिहासिक चातुर्मासिक मंगलमय प्रवेश भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ।

गच्छाधिपतिश्री धर्मसभा में प्रवचनाशीर्वाद प्रदान करते

हाथी, घोड़े, बैंड, बग्गी, ढोल, ताशों के संग शोभायात्रा दानीगेट स्थित श्री अवन्ति पार्श्वनाथ मन्दिर से प्रारम्भ होकर अरविंद नगर मार्ग पर पर पहुँची और धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। करीब दो कि. मी. लम्बी शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा के दौरान मार्ग में गच्छाधिपतिश्री को समाज के बन्धुओं के अतिरिक्त अन्य समाजों के प्रतिनिधियों ने वन्दन करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। (शेष पृष्ठ 5 पर)

श्री भाण्डवपुर तीर्थ में वर्षावास प्रवेश की चित्रमय झलकियाँ

जिनमंदिर में सामूहिक चैत्यवन्दन | आचार्यश्री लेटा महन्तजी के साथ | आचार्यश्री, श्री पारस जैन व गुरुभक्त | तीर्थ परिसर में पदार्पण

धर्मसभा में विराजित श्रमणिवृन्द

धर्मसभा में उद्बोधन प्रदान करते

लेटा महन्तजी का बहुमान करते हुए श्री जवेरीलालजी एवं मोतीलालजी

आचार्यश्री के साथ परिषद् प्रमुख

शोभायात्रा का परिदृश्य

शोभायात्रा का परिदृश्य

शोभायात्रा में श्रमणिवृन्द के साथ महिलाएँ

तीर्थप्रेरक आचार्यदेवेश का..

(शेष पृष्ठ 1 का)

दर्शन-वन्दन के पश्चात् आचार्यश्री चतुर्विध श्रीसंघ के साथ विशालकाय प्रवचन सभागार में पधारे। धर्मसभा का प्रारम्भ मंगलाचरण से करते हुए आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. ने धर्म एवं चातुर्मास के महत्त्व पर जानकारी प्रदान की। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन को सार्थक बनाना हो तो मनुष्य को धर्म के मार्ग पर अग्रसर होना होगा। क्योंकि धर्म ही ऐसा सुमार्ग है जो मनुष्य को सही राह दिखाता है।

इस अवसर पर श्री भाण्डवपुर वीर चालीसा सी.डी. का लोकार्पण श्रा. भँवरलालजी मेघराजजी छत्रिय वोरा परिवार, सुराणा निवासी (मिलियन ग्रुप) ने किया। ट्रस्ट मण्डल की ओर से चातुर्मास के लाभार्थी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल परिवार निवासी-पादरू (राज.) का बहुमान किया गया।

इस ऐतिहासिक मंगल-प्रवेश के प्रसंग पर लेटा के महन्तश्री रणछोड़भारतीजी महाराज, मध्यप्रदेश के ऊर्जामन्त्री श्री पारसजी जैन, जालोर विधायक श्रीमती अमृता मेघवाल, आहोर विधायक श्री शंकरसिंहजी राजपुरोहित, सिवाना विधायक श्री हमीरसिंहजी, पूर्व मन्त्री श्री अर्जुनसिंहजी देवड़ा, श्री जोगेश्वरजी गर्ग, सायला प्रधान श्री जबरसिंहजी तूरा, श्री ओबारामजी देवासी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों के साथ मध्य-प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, मुम्बई, दिल्ली आदि अनेक नगरों के श्रीसंघों, गणमान्य व्यक्तियों एवं हजारों गुरुभक्तों ने पधार कर गुरुभक्ति का परिचय दिया।

पधारे हुए अतिथियों का आभार श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन मान्योदय ट्रस्ट (संघ) की ओर से ज्ञापित करते हुए विविध चातुर्मासिक आराधनार्थ श्री भाण्डवपुर पधारने की सभी आराधकों से विनती की।

कलशधारी चातुर्मास लाभार्थी महिलाएँ

सामैया पर वासक्षेप करते आचार्यश्री

सुसज्जित तीर्थ परिसर में गुरुभक्त

आचार्यश्री को कामबली बोहराते लाभार्थी

विशाल धर्मसभा को सम्बोधित करते आचार्यदेवेशश्री

हमारा दायित्व इस दौर में.... ?

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के देहावसान को एक वर्ष बीत गया, समय कैसे गुजरता है हमें मालूम ही नहीं होता और बीते एक वर्ष में सबको यही लगा कि गुरुदेवश्री हमारे आसपास ही हमें दिशा निर्देश कर रहे हैं । पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. और आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने एक वर्ष में एकता और अखण्डता की मिसाल कायम करते हुए एक साथ मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, सौराष्ट आदि स्थानों पर राम-लक्ष्मण की जोड़ी के समान साथ रहकर पुण्य-सम्राट के सपनों को साकार करते हुए जिनशासन के अभूतपूर्व कार्य करते हुए शासन प्रभावना के उत्कृष्ट कार्य किए है । एक ओर जहाँ गच्छाधिपति सौम्यता, सरलता एवं विनय की प्रतिमूर्ति है तो आचार्यदेवश्री दूरदर्शी, प्रवचनकार, संघ एकता के शिल्पी एवं अनेक प्रतिभाओं से सुसम्पन्न हैं । दोनों पट्टधरों ने इस एक वर्ष में साथ-साथ उग्रविहार कर पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की यश-पताका को चहुँओर फहराते हुए अनेक स्थानों पर विषम परिस्थितियों में भी अपने ज्ञान-ध्यान एवं गुरुदेवश्री के शुभाशीर्वाद से समन्वयवादी रहकर परिस्थितियों को अनुकूल बनाते हुए त्रिस्तुतिक परम्परा को सुदृढ़ किया ।

दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. ने क्रियोद्धार करके त्रिस्तुतिक सिद्धान्त का पुनरुत्थान कर सही दिशा निर्देश दिया था और उसका अक्षरशः पालन कर समाज की दिशा और दशा को नई रोशनी प्रदान की थी । दादागुरुदेव की पट्ट परम्परा में सभी आचार्यों ने बखूबी निर्वहन करते हुए त्रिस्तुतिक समाज को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की है ।

वर्तमान में त्रिस्तुतिक परम्परा के नवीन दिग्दर्शन हो रहे है वह चिन्तनीय विषय है और यह सोचने, समझने का कार्य संघ के वरिष्ठ जनों का है । हम कहाँ जा रहे हैं, हमारे श्रमण-श्रमणिवृन्द हमें किस दिशा में ले जा रहे है और इसी प्रकार हम आचरण करेंगे तो दिशाविहीन होकर इधर-उधर भटकते ही रहेंगे । केवल पद के लोलुप बनकर नहीं अपितु समाज के हित में पद पर रहकर निःस्वार्थ सेवा, कर्त्तव्य का पालन एवं दोनों पट्टधरों के प्रति आस्था एवं समर्पण की भावना रखकर कार्य करना होगा तभी हम पुण्य-सम्राटश्री के सपनों को मूर्त्तरूप दे सकेंगे । यह बात सिर्फ पदाधिकारियों तक ही नहीं सीमित है अपितु साधु-साध्वी भगवन्त में भी अपने गुरु के आदेश के प्रति निष्ठा और समर्पण होना चाहिये । वर्तमान में एक वर्ष में यह देखा गया कि कई श्रमण-श्रमणियों ने दोनों पट्टधरों, जिनको स्वयं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री ने श्रीसंघ के प्रमुखों की उपस्थिति में घोषित किया उनके प्रति निष्ठा और समर्पण है ही नहीं । अगर वह ऐसा करते हैं तो पुण्य-सम्राटश्री के वचनों की अवहेलना कर रहे हैं । पुण्य-सम्राट के एक आदेश पर समाज एकजुट होकर आदेश पालन को तत्पर हो जाता था तो अभी..... ?

वर्तमान में त्रिस्तुतिक संघ के इतने भाग हो गये हैं जिसकी परिकल्पना भी नहीं थी । दादा गुरुदेवश्री ने जो सिद्धान्त बताए और उन पर चलते हुए उत्कृष्ट क्रियापालक बन बिना नाम व पद की चाहना से अपना श्रमण कर्त्तव्य समझकर सम्पूर्ण विश्व को आश्चर्यचकित करते हुए अद्वितीय ज्ञान-दर्शन, साधना-आराधना के बल पर अनेकानेक जिनशासन प्रभावना के कार्य किए थे । आज क्रियापालक भी आडम्बर एवं शिथिलाचार की ओर अग्रसर हो रहे हैं । जिनका ज्ञान-दर्शन-चारित्र भी अपूर्ण है और क्रिया के नाम पर शून्य हैं ऐसे पदलोलुप भले वह साधु हो या श्रावक दादा गुरुदेव के नाम पर समाज के साथ विश्वासघात कर रहे हैं । क्षुद्र मुनि नाम एवं प्रशंसा के लिए जो नहीं करना वह भी कर रहे हैं । यह सब क्यों हो रहा है, इन कार्यों में सहयोग किसका है, आपने कभी चिन्तन किया है ? नहीं । क्योंकि 'जैसी सुने वाणी, वैसी हो जिन्दगानी' हम भी शॉल, माला और अभिनन्दन की लालसा में अपने सामाजिक कर्त्तव्य को भूल गये और एक पक्षीय नजरिये देखकर इन गलत कार्यों का भी विरोध नहीं कर सके ।

समाज में प्रमुख पद आपको प्रदान किया जाता है तो यह सोचकर कि आप पद की गरिमा के अनुरूप कार्य करते हुए समाज को सही दिशा निर्देश करें । अगर आप अपनी योग्यता का सही उपयोग नहीं करेंगे तो समाज कभी भी आपको पद विहीन कर सकता है । परन्तु यह भावना वर्तमान में है ही नहीं या तो प्रमुख व्यक्तियों पर एक ही रंग का चश्मा लगा है या योग्यता की कमी है । आप सोचिये इस प्रकार की मानसिकता वाले समाज का उद्धार कैसे करेंगे ?

कहने को अनेक विषय और मन में कई उद्‌गार हैं सभी को लेखनी के माध्यम से प्रस्तुत करना असम्भव है । बस इतना ही आप सभी सुधी साधु-साध्वी भगवन्तों से, सुश्रावकों से विनयपूर्वक निवेदन है कि इन विषम परिस्थितियों में एकजुट होकर चिन्तन-मनन कर समाज में व्याप्त इन दुर्भावों को मिटाते हुए सम्पूर्ण त्रिस्तुतिक समाज को एकसूत्र में पिरोने का दृढ़निश्चय कर पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के दोनों पट्टधरों की निश्रा में जिनशासन प्रभावना के सुकृत्यों में भागीदार बन कर पुण्य-सम्राट के स्वप्न को साकार करें तभी गुरुदेवश्री के चरणों में सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित होगी ।

उपरोक्त लेखन से किसी के हृदय में ठेस पहुँची हो तो आप सबसे विनययुक्त क्षमायाचना करता हूँ, साथ ही जिनाज्ञा के विरुद्ध लिखने में आया हो उसके लिए भी क्षमाप्रार्थी हूँ ।

एक गुरुभक्त

विभिन्न नगरों में श्रमण-श्रमणिवृन्द का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.)

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय सुविशाल गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं संघशिल्पी, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रमण-श्रमणिवृन्द का सन् 2018 का चातुर्मासिक भव्य मंगल-प्रवेश देश के अनेक नगरों में हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से हुआ । प्राप्त जानकारी अनुसार निम्न स्थानों पर मंगल-प्रवेश सम्पन्न हुए । **-स. सम्पादक**

चैन्नई (दक्षिण भारत)

चैन्नई के साहूकार पेठ स्थित श्री राजेन्द्र भवन में मुनिराजश्री संयमरत्नविजयजी एवं मुनिश्री भुवनरत्नविजयजी म. सा. का सकल श्रीसंघ के साथ चातुर्मासिक मंगल प्रवेश भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ । धर्मसभा में मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य महान उद्देश्यों, महान विचारों और महान संस्कारों के कारण ही कामयाबी की ऊँची मीनारों को स्पर्श करता है । सोच ही मानव जीवन की मूलभूत प्रेरणा है । सकारात्मक सोच से जीवन में मोच नहीं आती है । आत्म, आराधना-साधना, ज्ञान-ध्यान-स्वाध्याय से चातुर्मास में हमारी आत्मा का विकास होता है । आराधना का मार्ग छोड़ कर विराधना का मार्ग अपनाने वालों का विनाश हो जाता है । इस अवसर पर श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री हड़मतमलजी, सचिव श्री डूँगर जैन, सहसचिव श्री गौतम सेठ, श्री दिलीप वेदमुथा, प्रवक्ता श्री नरेन्द्र पोरवाल, श्री पारस बन्दामुथा-मदुरै, महिला मण्डल की सदस्या श्रीमती समता जैन आदि गुरुभक्तों ने अपने भाव व्यक्त किए ।

मुनिराजश्री को काम्बली वोहराने एवं सामैया का लाभ श्री भगवानजी शंकरजी कोठारी परिवार ने लिया तथा गहुँली करने का लाभ श्री डूँगरमलजी मण्डारी ने लिया । इस अवसर पर मदुरै, विजयवाड़ा, कोचिन, अहमदाबाद, पूना, निम्बाहेड़ा आदि शहरों से गुरुभक्त पधारे । दिनांक 22 जुलाई 2018 से श्री भक्तामर तप का आयोजन प्रारम्भ हुआ जो 44 दिन तक चलेगा ।

सियाणा (राज.)

मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा. का धर्मनगरी सियाणा में चातुर्मासिक भव्य मंगल प्रवेश दिनांक 21 जुलाई 2018 को भव्य शोभायात्रा के साथ श्री सियाणा जैन श्रीसंघ ने धूमधाम से बैण्ड-बाजों के साथ करवाया ।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य एवं गुरुभक्त पधारे एवं पू. मुनिराजद्वय को बधाते हुए स्वागत-अभिनन्दन किया ।

राजनगर-अहमदाबाद (गुजरात)

मुनिराजश्री जिनागमरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा एवं साध्वीश्री स्वयंप्रभाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री रंजनमालाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री रत्नयशाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री चारित्रकलाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री निधिश्रीजी म. सा. आदि ठाणा का मंगल प्रवेश दिनांक 23-7-2018 को गुरु जयन्तसेन स्वाध्याय साधना प्रांगण राजनगर-अहमदाबाद में भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ ।

भायन्दर (मुम्बई)

साध्वीश्री योगनिधिश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-5 का गुरु मन्दिर भायन्दर-मुम्बई नगर में चातुर्मासिक भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा के साथ दिनांक 15 जुलाई 2018 को गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से हुआ ।

शोभायात्रा के बाद में धर्मसभा का आयोजन हुआ जिसमें साध्वीश्री ने चातुर्मास की महत्ता बताई और सभी को चातुर्मास में जप, तप आदि करने की प्रेरणा प्रदान की ।

सूरत (गुजरात)

प. पू. तपस्वीरत्ना साध्वीजी श्री शशिकलाश्रीजी म. सा. की परम विनयी सुशिष्या तपस्वीरत्ना, अनेक शिष्याओं की मार्गदर्शक साध्वीश्री अनन्तदृष्टाश्रीजी म. सा., सरस्वती रत्ना, तत्त्वज्ञानदाता, साध्वीश्री मयूरकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-34 का चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश दिनांक 16 जुलाई सोमवार को गाजे-बाजे एवं विशाल शोभायात्रा के साथ एवं हजारों गुरुभक्तों की जय-जयकार के साथ धर्मनगरी सूरत के बॉम्बे हाउस, पाणीनी भीत, गोपीपुरा में हुआ ।

इस अवसर पर अनेक नगरों एवं गणमान्यों के साथ गुरुभक्त भी उपस्थित थे । सस्मान बिठाकर स्वामीवात्सल्य का लाभ बबुबेन चुन्नीलाल नागरदास अदाणी परिवार ने लिया ।

(क्रमशः पृष्ठ 4 पर)

पुण्य-सम्राटश्री के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वी भगवन्तों के ग्राम-नगरों में चातुर्मासिक प्रवेश विविध कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न

कुक्षी (म. प्र.)

परम पूज्या साध्वीश्री अविचलदृष्टाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-6 का भव्य वर्षावास मंगल प्रवेश कुक्षी नगर में भव्य सामैया के साथ बैण्ड-बाजे के साथ हुआ। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई जैन पौषधशाला में पहुँच कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। शोभायात्रा के दौरान अनेक स्थानों पर गुरुभक्तों ने गहुँली कर साध्वीश्री को बधाते हुए स्वागत किया।

धर्मसभा में कुक्षी के संघरत्न एवं श्रीसंघ अध्यक्ष श्री मनोहरलाल पौराणिक, अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद के प्रदेशाध्यक्ष श्री रमेश धारीवाल, मध्यप्रदेश विस्तुतिक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जवाहरलाल काकड़ीवाला आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सबको इस चातुर्मास में सौभाग्य से विद्वद् साध्वीश्री का साथ मिला है और हमें यहाँ तप-जप, ज्ञान-साधना-आराधना कर अपना आत्मकल्याण करते हुए चातुर्मास को सफल बनाना है।

इन्दौर (म. प्र.)

साध्वीश्री अमितदृष्टाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-7 का भव्यातिभव्य मंगल प्रवेश दिनांक 18-7-2018 को गुमास्ता नगर, इन्दौर में वरघोड़े के साथ हुआ। वरघोड़े के पश्चात् धर्मसभा हुई। मुख्य अतिथि के रूप में थराद निवासी श्री प्रवीणभाई अदाणी पधारे इसके साथ ही शहर गौरव श्री सोहनलाल पारीक, श्री शान्तिलाल बोहरा, श्री नीरज सुराणा, श्री तेजकुमार बम्बोरिया, श्री श्रेणिक कोठारी आदि ने पधारकर साध्वीश्री का भावभीना स्वागत करते हुए बधाया।

नवकारसी का लाभ श्री सुधीर सेठिया परिवार ने एवं स्वामीवात्सल्य का लाभ श्री शान्तिलाल बोहरा परिवार द्वारा लिया गया। पूज्या साध्वीश्री को कामली वोहराने का लाभ श्री शान्तिलालजी धर्मचन्दजी बोहरा परिवार ने लिया।

अलीराजपुर (म. प्र.)

साध्वीश्री शासनलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-5 का अलीराजपुर में भव्यातिभव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश दिनांक 23-7-2018 को हुआ। भव्य शोभायात्रा के साथ बैण्ड-बाजे एवं ढोल की थाप पर नृत्य करते श्रावक-श्राविकाओं ने साध्वीश्री की अगवानी करते हुए स्वागत-अभिनन्दन के साथ धूमधाम से प्रवेश करवाया।

इस प्रवेश प्रसंग पर 22 श्रीसंघ के सदस्यों सहित श्रीसंघ एवं परिषद् के पदाधिकारी एवं अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे। प्रवेश में पधारे गुरुभक्तों ने अलिराजपुर के समीप श्री लक्ष्मणीजी तीर्थ की यात्रा कर पंचतीर्थ का लाभ प्राप्त किया।

माटपचलाना (म. प्र.)

साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री युगप्रियाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री यशप्रियाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-3 का माटपचलाना में भव्य वर्षावास प्रवेश बैण्ड-बाजों के साथ दिनांक 18-7-2018 को शोभायात्रा के साथ हुआ।

महिदपुर रोड़ (म. प्र.)

साध्वीश्री विद्वद्गुणाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री रश्मिप्रभाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-3 का वर्षावास भव्य प्रवेश बैण्ड-बाजों के साथ महिदपुर रोड़ में शोभायात्रा के साथ अनेक गुरुभक्तों की उपस्थिति में हुआ।

डीसा (गुजरात)

साध्वीश्री भुवनप्रभाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री भक्तिरसा-श्रीजी म. सा. आदि ठाणा-3 का भव्य चातुर्मास प्रवेश शोभायात्रा के साथ अनेक श्रीसंघों एवं विशाल संख्या में पधारे गुरुभक्तों के साथ हुआ। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई श्री नेमिनाथ गुरु मन्दिर, डीसा पहुँची। जहाँ आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि चातुर्मास में हमें अधिक से अधिक धर्मक्रिया करते हुए साधना-आराधना करना चाहिये।

मेघनगर (म. प्र.)

साध्वीश्री अनेकान्तलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-6 का भव्यातिभव्य मंगल प्रवेश दिनांक 18-7-2018 को मेघनगर में शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा के पश्चात् ज्ञान मन्दिर में धर्मसभा हुई।

धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि जैन शासन विराट और विशाल है। गौरवशाली और प्रभावशाली है। सोचना है, समझना है, चिन्तन करना है कि जैनशासन मिलने के बाद आप कितने समर्पित है व इसके सिद्धान्तों को आत्मसात करते हैं। चातुर्मास आयोजित कर नगरवासियों का कर्त्तव्य बढ़ गया है। समय का योगदान सभी को देना है। जिनवाणी का प्रतिदिन श्रवण कर अपने जीवन को सुन्दर बनाना है। साध्वीश्री ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज का समय टीवी पर बीत जाता है, भौतिक सुख-सुविधाओं में मानव अन्धा हो चुका है। आडम्बर में जीवन बर्बाद मत करो और परमात्मा की वाणी अपने जीवन में उतारो तभी आत्मकल्याण सम्भव है।

प्रवेश प्रसंग पर रतलाम, पारा, भीनमाल, थान्दला, झाबुआ, कल्याणपुरा, रम्पुर, राणापुर, मनावर आदि नगरों से श्रद्धालु गुरुभक्त पधारे।

मंगल प्रवेश पर प्रथम गहुँली का लाभ भीनमाल निवासी श्रीमती सुन्दरबाई टीलचन्दजी कावड़िया परिवार ने लिया। गुरुदेव का चित्र बग्घी में लेकर बैठने का लाभ श्री सुशीलजी शान्तिलालजी लोढ़ा परिवार ने लिया। पूज्या साध्वीश्री को कामली वोहराने का लाभ आदिश, आश्वी, राखी-राकेश व सुशीला-शान्तिलालजी लोढ़ा परिवार ने लिया।

पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)

वयोवृद्धा साध्वीश्री पूर्णकिरणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा का भव्य चातुर्मास प्रवेश शोभायात्रा के साथ अनेक श्रीसंघों एवं विशाल संख्या में पधारे गुरुभक्तों के साथ हुआ। इस अवसर पर दो सुन्दर संयोग बने प्रथम शासनपति श्री महावीरस्वामीजी का च्यवनकल्याणक दिवस एवं दूसरा साध्वीश्री पूर्णकिरणाश्रीजी का 58 वाँ दीक्षा दिवस। ऐसे उत्तम अवसर पर साध्वीश्री का प्रवेश शुभवेला में हुआ।

आवश्यक सूचना

प. पू. माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा प्रेरित गुरु संस्थाओं के संचालक श्री धर्मेन्द्रभाई एम. पटेल पारिवारिक कार्य होने से अवकाश पर हैं। अतः उदयपुर, जीरावला, मोटेरा, आबू आदि संस्थाओं से सम्बन्धित कार्य हेतु सीधे पेढ़ी कार्यालय पर सम्पर्क करें।

विशेष कार्य हेतु सम्पर्क करें। मो. नं. 9001248063

सम्पर्क-

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, डोरडा (झरडाजी) मो. 9001295002

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, जीरावला (राज.) मो. 9001295003

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, देलवाड़ा-आबू (राज.) मो. 9001295005

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, काचा (राज.) मो. 9001295008

✲ निवेदक ✲

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ, उदयपुर काचा

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट

श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट, मोटेरा-अहमदाबाद

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।

कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991

e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

गच्छाधिपतिश्री का.....

(शेष पृष्ठ 1 का)

शोभायात्रा में विशेष रूप से श्वेताम्बर एवं दिगम्बर समाज ने एकता का परिचय देते हुए गच्छाधिपतिश्री का सामूहिक रूप से स्वागत किया । मुख्य आकर्षणों में शोभायात्रा में महिलाएँ चातुर्मास में आलू-प्याज छोड़ने, व्रत, उपवास आदि करने जैसे सन्देश लिखीं तख्तियाँ लिए चल रही थीं तो एक महिला हाथों में गुड़िया रूपी बेटी लिए 'बेटी बचाओ' का सन्देश प्रदान कर रही थीं । रूपान्तरण के सदस्यों ने पर्यावरण बचाओ का सन्देश दिया ।

धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए पूज्य गच्छाधिपतिश्री ने कहा कि मैं केवल त्रिस्तुतिक श्रीसंघ का बनकर नहीं अपितु पूरे उज्जैन के श्वेताम्बर, दिगम्बर व अन्य समाजों के लिए आया हूँ । पूरा उज्जैन मेरा है और मैं उज्जैन का बनकर आया हूँ । रविवार से यहाँ चातुर्मासिक प्रवचन, साधना-आराधना प्रारम्भ होगी आप सभी उच्च भाव लेकर सभी आयोजनों में भाग लेकर अपना आत्मकल्याण करें ।

इस मंगल प्रसंग पर उज्जैन के सकल जैन समाज व अजैन बन्धुओं के साथ ही सम्पूर्ण मालवांचल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, दक्षिण भारत व जापान से पधारे गुरुभक्तों ने पधारकर गच्छाधिपतिश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द को वन्दन कर स्वागत किया । म. प्र. त्रिस्तुतिक श्रीसंघ, अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् एवं म. प्र. परिषद् परिवार, त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ-उज्जैन, सकल समाज-उज्जैन व चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्री पारसजी जैन (ऊर्जामन्त्री, म.प्र. शासन) तथा त्रिस्तुतिक श्रीसंघ नमक मण्डी-उज्जैन के अध्यक्ष श्री मनीषजी कोठारी की मेहनत रंग लाई एवं गच्छाधिपतिश्री का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश सम्पन्न हुआ ।

उज्जैन वर्षावास प्रवेश की चित्रमय झाँकी

श्रुत प्रभावक मुनिराजश्री का मंगल प्रवेश

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रुत-प्रभावक मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा का चातुर्मासिक भव्य मंगल प्रवेश भारतनगर-मुम्बई में भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ ।

शोभायात्रा श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी गुरु मन्दिर, प्रार्थना समाज से प्रारम्भ होकर श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरु मन्दिर, खेतवाड़ी में भव्य प्रवेश करते हुए हजारों गुरुभक्तों के साथ धूमधाम से श्री भारत नगर जैन संघ, ग्राण्ट रोड, मुम्बई पहुँचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई ।

कई वर्षों से भारत नगर श्रीसंघ मुनिराजश्री के चातुर्मास को लालायित था । इस बार भारत नगर श्रीसंघ की अनुपम भक्ति रंग लाई और श्रुतप्रभावक मुनिराजश्री द्वारा मुखरित धर्म की गंगा में स्नान करने का एवं मुनिराजश्री के तत्त्वावधान में आयोजित कार्यक्रमों में सात्त्विक, तात्त्विक और आध्यात्मिक ज्ञान के मर्म को समझने का अवसर पाकर श्रीसंघ में हर्ष की लहर व्याप्त है ।

मंगल प्रवेश के अवसर पर मुम्बई नगर के उपनगरों के अतिरिक्त अनेक नगरों से गुरुभक्त पधारे । चातुर्मास के आयोजक श्री भारत नगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ की गुरुभक्ति की सभी अतिथियों ने सराही ।

इस चातुर्मास काल में त्रिकाल वाचना दिनांक 18-7-2018 से प्रारम्भ हो गई है । जिसमें प्रातः 7 बजे से 7.30 बजे तक श्री भगवती सूत्र, प्रातः 9.15 बजे से 10.30 बजे तक श्री सूत्रकृतांग सूत्र एवं मात्र श्रावकों के लिए रात्रि 8.30 बजे से 9.30 बजे तक श्री ज्ञाताधर्मकथा सूत्र पर मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. प्रवचन प्रदान करते हुए धर्मप्रेमियों को अपनी विशिष्ट प्रवचन शैली के माध्यम से समझा रहे हैं । नित्य धर्मसभा में गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है ।

पाटण में मुनिश्री का अध्ययनार्थ वर्षावास प्रवेश

प. पू. पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. एवं साध्वीश्री तत्त्वलताश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का गुजरात के पाटण नगर में 19 जुलाई को भव्य चातुर्मास मंगल प्रवेश शोभायात्रा के साथ हुआ ।

शोभायात्रा नगर के मुख्य द्वार से प्रारम्भ होकर बैण्ड-बाजों के साथ नगर परिभ्रमण कर गुरुमन्दिर और पंचासरा पार्श्वनाथ जिनालय में दर्शन-वन्दन कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई । मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म.सा. के मंगलाचरण से प्रारम्भ हुई धर्मसभा में दादागुरुदेव एवं पुण्य सम्राट के सम्मुख दीप प्रज्वलन पं. श्री चन्द्रकान्तभाई एवं श्री बाबूभाई सेठ ने किया व माल्यार्पण एवं मुनिराज द्वय को काम्बली वोहराने का लाभ श्री मिलापचन्दजी जेठमलजी चौधरी, बैंगलोर ने लिया । इस प्रसंग पर नगर में बिराजित अनेक श्रमण-श्रमणिवृन्द पधारे । धर्मसभा में मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री ऋषभचन्द्रसागरजी म. सा., मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म.सा. के प्रवचन हुए ।

मुनि भगवन्तों का यह चातुर्मास सिर्फ अध्ययनार्थ एवं स्वाध्याय का रहेगा, धर्मसभा में मुनिराजश्री ने कहा कि चातुर्मास में किसी भी प्रकार के अनुष्ठान एवं आयोजन नहीं होंगे । पाटण में त्रिस्तुतिक संघ के पाँच घर होने के बाद भी भव्य चातुर्मास प्रवेश के आयोजन करने के लिए पाटण के अनेक श्रीसंघों एवं बाहर से पधारे गुरुभक्तों का अभिनन्दन किया गया । इस अवसर पर श्री सुरेशजी तांतेड़, श्री रमेशभाई धरू, श्री प्रकाशजी काँठेड़, श्री इन्द्रमलजी दसेड़ा आदि गणमान्य एवं गुरुभक्त उपस्थित थे ।

आचार्यदेवेशश्री की पावन निश्रा में विद्यालय एवं चिकित्सालय भवन के निर्माण का शिलान्यास

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की सद्प्रेरणा से श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ), भाण्डवपुर तीर्थ के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय आदर्श माध्यमिक विद्यालय, भुण्डवा के नवीन भवन एवं चिकित्सालय भवन के निर्माण हेतु शिलान्यास किया गया।

जैनाचार्य श्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. की निश्रा में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के नवीनीकरण के अवसर पर जालोर विधायक श्रीमती अमृता मेघवाल, प्रधान श्री जबरसिंह तूरा, जिला परिषद् सदस्य श्रीमती पवनीदेवी मेघवाल, सरपंच श्रीमती सुशीला परिहार एवं उप जिला शिक्षाधिकारी श्री मैराराम चौधरी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। जालोर विधायक ने श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ), भाण्डवपुर तीर्थ को धन्यवाद देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए सहयोग हेतु आभार प्रकट किया। उपजिला शिक्षाधिकारी ने ज्ञान एवं पाठशाला की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए प्राप्त सहयोग का आभार प्रकट करते हुए सरकारी सभी सहयोग प्रदान करने की घोषणा की। क्षेत्रीय विधायक ने भी पू. गुरुदेवश्री के आदेशों को शिरोधार्य करते हुए आवश्यक सुविधाओं को प्रदान करने की बात करते हुए इसके साथ ही खेल मैदान के लिए आवश्यक राशि की घांघणा भी की।

कार्यक्रम में आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने सम्बोधित करते हुए कहा कि ग्राम में शिक्षा एवं चिकित्सा हेतु चिकित्सालय भवन का संकल्प दोहराया और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि भाण्डवपुर ग्राम को आदर्श ग्राम घोषित कर इसका सर्वांगीण विकास करना है। यथाशीघ्र विद्यालय का निर्माण करवाकर बच्चों के शिक्षा स्तर को बढ़ाने की बात कही।

विद्यालय हेतु टेबल, कुर्सी एवं कम्प्यूटर सामग्री भामाशाह श्री भँवरलालजी मेघराजजी छत्रिया वोरा सुराणा निवासी (मिलियन ग्रुप) द्वारा देने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन चिकित्सालय के नवीनीकरण का भी शुभारम्भ आचार्यदेवेशश्री एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के अन्त में मिलियन ग्रुप सुराणा (राज.) द्वारा कक्षा प्रथम से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं को बैग का वितरण किया गया।

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ

दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरु मन्दिर तथा
पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरि स्मृति मन्दिर

शिलान्यास प्रसंगे
भाव भरा आमन्त्रण

* शुभदिन *
आश्विन शुक्ला 3, गुरुवार दिनांक 11-10-2018

*आशीर्वाद *
परम पूज्य गच्छाधिपति,
श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

* शुभनिश्रा *
पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर,
भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यप्रवर
श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.
एवं
विदुषी साध्वीजी श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा.
आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द
आप सभी सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

* निवेदक-आमन्त्रक *
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट)
श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
मु. पो.- भाण्डवपुर तीर्थ, जिला- जालोर (राज.)

श्री यतीन्द्रवाणी प्रकाशन
संस्थापक : श्री जैन संघ-धानसा

समस्त गच्छाधिपतियों,
आचार्य भगवन्तों एवं श्रमण-श्रमणियों के
मंगलमय चातुर्मासिक प्रवेश पर
यतीन्द्र वाणी परिवार
स्वागत-वन्दन और अभिनन्दन करता है।

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सजसाईज फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित